गरवी गुजरात

RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 326
दि. 30.03.2026,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

पीएम मोदी के त्रिशूर रोड शो में उमड़ी भीड़, सियासत में भारी हलचल, भाजपा ने किया शक्ति प्रदर्शन

(एजेंसी)।

त्रिशूर में प्रधानमंत्री मोदी के रोडशो ने केरल की सियासत में नई हलचल पैदा कर दी है. भारी भीड़ और ह्यजय जय मोदीह्न के नारों के बीच बीजेपी ने अपनी ताकत का प्रदर्शन किया. महिला मतदाताओं में खास उत्साह और स्थानीय नेताओं की सक्रियता से पार्टी आत्मविश्वास में नजर आ रही है.

केरल के त्रिशूर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोडशो में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला. त्रिशूर के प्रसिद्ध स्वराज गोलचक्कर के पास हजारों की भीड़ 'जय जय मोदी, जय जय बीजेपी' के नारों के साथ पीएम का स्वागत करती नजर आई. केरल की सांस्कृतिक राजधानी त्रिशूर इस दौरान पूरी तरह केसरिया रंग में रंगी दिखाई दी. प्रधानमंत्री इससे पहले पलक्कड़ में एक बड़ी रैली को संबोधित कर त्रिशूर पहुंचे थे.

इस दौरान उन्होंने पारंपरिक 'मुंडू' पहनकर लोगों का अभिवादन किया और चेंडा वाद्य यंत्र भी बजाने की कोशिश की, जिससे स्थानीय लोगों में खास उत्साह दिखा. पीएम ने एनडीए उम्मीदवार शोभा सुरेंद्रन के समर्थन में प्रचार किया और अपने भाषण में वाम दलों और कांग्रेस पर वोटबैंक की राजनीति करने का आरोप लगाया. उन्होंने मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के 'बी टीम' वाले बयान पर भी तंज कसा.

पलक्कड़ को बीजेपी का मजबूत क्षेत्र माना जाता है. यहां पहले मेट्रो मैन ई श्रीधरन ने बीजेपी उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था और मामूली अंतर से हार गए थे. बाद में यहां उपचुनाव भी हुआ, जब कांग्रेस के विधायक राहुल मामकूटाथिल को यौन उत्पीड़न के आरोपों के चलते हटाया गया. हालांकि, पूरे कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण त्रिशूर का रोडशो रहा. इस दौरान केंद्रीय मंत्री और त्रिशूर सांसद सुरेश गोपी, बीजेपी उम्मीदवार पद्मजा वेणुगोपाल भी पीएम के साथ मौजूद रहे.

पद्मजा, जो दिग्गज कांग्रेस नेता के करुणाकरण की बेटी हैं, उन्होंने पिछला चुनाव कांग्रेस के टिकट पर लड़ा था, लेकिन इस बार बीजेपी में शामिल होकर सबको चौंका दिया. ग्राउंड पर महिला मतदाताओं में भी खास उत्साह देखने को मिला. बीजेपी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने इस बार बड़ी संख्या में महिला उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है और पीएम ने आज दो महिला उम्मीदवारों के लिए प्रचार किया.

स्थानीय महिलाओं का कहना है,

त्रिशूर में बीजेपी जीतेगी. जब उनसे पूछा गया कि पार्टी को बढ़त किससे मिल रही है, तो उन्होंने सुरेप गोपी के काम का जिक्र किया और कहा कि एक उत्साही समर्थक माला ने कैमरे पर आकर खुशी जाहिर की और कहा, 'मैं इंडिया टुडे को यहां देखकर बहुत खुश हूं. मैं चैनल को नियमित रूप से देखती हूं. बीजेपी यहां जीतने जा रही है. जय नमो.'

केरल में अब तक राजनीति मुख्य रूप से एलडीएफ और यूडीएफ के बीच रही है, लेकिन बीजेपी अब खुद को तीसरे विकल्प के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रही है. हर चुनाव में पार्टी अपनी मौजूदगी मजबूत करती दिख रही है, लेकिन इस बार का विधानसभा चुनाव उसके लिए असली परीक्षा साबित होगा.

'सभी देश भुगतेंगे परिणाम', शांति प्रयासों के बीच ईरानी विदेश मंत्री की बड़ी चेतावनी

(एजेंसी)।

ईरान और इजराइल के बीच बढ़ता तनाव अब एक खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने हाल ही में चेतावनी दी है कि अमेरिका और इजराइल मिलकर युद्ध का दायरा बढ़ाना चाहते हैं।

अराघची का आरोप है कि ये दोनों देश अन्य देशों को इस संघर्ष में घसीटने और झूठे अभियानों के जरिए ईरान को निशाना बनाने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने साफ कर दिया कि यदि ईरान की संप्रभुता पर हमला हुआ, तो वे चुप नहीं बैठेंगे। यह बयान क्षेत्र में एक बड़े सैन्य टकराव की आहट दे रहा है।

अब्बास अराघची ने ग्रीस के विदेश मंत्री से बातचीत में कहा कि वॉशिंगटन और तेल अवीव बिना किसी उकसावे के ईरान के खिलाफ आक्रामकता बढ़ा रहे हैं। उनका मानना है कि ये देश साजिश के तहत दूसरे देशों के संसाधनों और जमीन का इस्तेमाल ईरान पर हमले के लिए करना चाहते हैं।

प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' की 132वीं कड़ी में अपने संबोधन की कुछ झलकियाँ साझा की

(एजेंसी)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज 'मन की बात' की 132वीं कड़ी में अपने संबोधन की कुछ झलकियाँ साझा की।

श्री मोदी ने कई पोस्टों की एक श्रृंखला में कहा;

'140 करोड़ देशवासियों के सामर्थ्य से भारत मौजूदा युद्ध से पैदा हुए वैश्विक संकट का डटकर मुकाबला कर रहा है। मुझे पूरा विश्वास है कि एकजुट रहकर हम पहले की तरह ही इस कठिन चुनौती से पूरी तरह बाहर निकल आएंगे।

'आज हर तरफ योग के प्रति बढ़ते आकर्षण को देखना बहुत सुखद है। जिस तरह लोग उठा रहे हैं, वह बहुत उत्साहित करने वाला है। गुजरात और उत्तर प्रदेश से लेकर राजस्थान और त्रिपुरा तक के उदाहरण बताते हैं कि इससे आय बढ़ने के साथ ही लोगों का फिटनेस को लेकर देशवासियों से एक बार फिर मेरा यह आग्रह

'देश के कोने-कोने में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ जनभागीदारी के इन अभियानों से ना केवल पानी की समस्या दूर हुई है, बल्कि बीमारियां भी कम हो रही हैं।

'यदि आप संस्कृति और पांडुलिपियों के प्रति समर्पित हैं, तो ज्ञान भारतम सर्वेक्षण में आपको अवश्य भाग लेना चाहिए।

इस दिशा में अरुणाचल प्रदेश, लेह, पंजाब और राजस्थान के प्रयासों को विशेष रूप से बताया गया है।

'बजट क्वेस्ट, माय भारत टीम का एक शानदार प्रयास है।

सावधान! मुंबई में सिलेंडर के नाम पर चल रहा स्कैम, 1 क्लिक में खाली हो रहा बैंक खाता

सिलेंडर की किल्लत और गैस आपूर्ति की अनिश्चितता ने आम लोगों को पहले से ही परेशान कर रखा है। इस

फायदा उठाकर साइबर अपराधी तेजी से सक्रिय हो गए हैं। गैस किल्लत के बीच मुंबई साइबर ठगों का लोगों को लूटने का नया खेल उजागर हुआ है। साइबर ठग महानगर गैस के नाम का दुरुपयोग कर लोगों को निशाना बना रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार एपीके फाइलों के जरिए बैंक खातों से लाखों रुपये चुराए जा रहे हैं, जिससे उपभोक्ताओं में डर और वित्तीय नुकसान का खतरा बढ़ गया है। ये अधिकारी बनकर गैस कनेक्शन काटने या बिल बकाया होने को लेकर डराते हैं और लोगों को अपने जाल में फंसा रहे हैं।

उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने आज नई दिल्ली में टेली-लॉ पहल पर राष्ट्रीय परामर्श को संबोधित किया

उपराष्ट्रपति ने टेली-लॉ पहल के तहत न्याय तक समावेशी और तकनीक-आधारित पहुंच का आह्वान किया

टेली-लॉ न्याय के अंतर को पाटने और नागरिक-केंद्रित कानूनी व्यवस्था को मजबूत करने में सहायक होगा: उपराष्ट्रपति

'सभी के लिए सुलभ, किफायती और समय पर न्याय लोकतंत्र का मूल आधार है': उपराष्ट्रपति

(एजेंसी)।

भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने आज नई दिल्ली में विधि और न्याय मंत्रालय द्वारा आयोजित न्याय तक समग्र पहुंच के लिए अभिनव समाधान डिजाइन करने (दिशा) योजना की टेली-लॉ पहल पर राष्ट्रीय परामर्श 2026 को संबोधित किया और सभी नागरिकों के लिए सुलभ, किफायती और समय पर न्याय की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि न्याय तक पहुंच लोकतंत्र का आधार है और राष्ट्रीय परामर्श इस बात को सुनिश्चित करने की सामूहिक प्रतिबद्धता को दशार्ता है कि न्याय कुछ लोगों का विशेषाधिकार नहीं बल्कि सभी के लिए उपलब्ध अधिकार है।

उपराष्ट्रपति ने हाल ही में हुए कानूनी सुधारों का उल्लेख करते हुए

कहा कि नए आपराधिक कानूनों में बदलाव, प्रक्रियाओं को सरल बनाकर और दक्षता में सुधार करके, अधिक नागरिक-केंद्रित न्याय प्रणाली की ओर एक ऐतिहासिक बदलाव किया गया है।

उन्होंने शासन में प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी भूमिका का उल्लेख करते हुए प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) और टेली-मेडिसिन जैसी पहलों का उदाहरण दिया और टेली-लॉ पहल को कानूनी सेवाओं के लोकतंत्रीकरण का एक शक्तिशाली माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि मुकदमे से पहले कानूनी सलाह विवादों को शीघ्र सुलझाने, अनावश्यक मुकदमेबाजी को कम करने और अदालतों पर बोझ कम करने में सहायक हो सकती है।

उपराष्ट्रपति ने भाषाई समावेशन के महत्व पर जोर देते हुए भारत के संविधान को कई क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध कराने के प्रयासों के बारे में बताया और समझ और भागीदारी को बढ़ाने के लिए स्थानीय भाषाओं में कानूनी परामर्श प्रदान करने का आह्वान किया।

उन्होंने प्रमुख प्राथमिकताओं का उल्लेख करते हुए समावेशिता, गुणवत्ता, जवाबदेही और उद्देश्यपूर्ण नवाचार पर जोर दिया। उन्होंने कानूनी सेवाओं को अंतिम छोर विशेष रूप से महिलाओं, ग्रामीण और हाशिए पर रहने वाले समुदायों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए केंद्रित प्रयासों का आह्वान किया।

उपराष्ट्रपति ने न्याय तक पहुंच बढ़ाने में जमीनी स्तर पर योगदान देने वाले अर्ध-कानूनी स्वयंसेवकों, सामान्य सेवा केंद्रों, पैनल वकीलों और अन्य हितधारकों की सराहना की।

उन्होंने अधिक उत्तरदायी, समावेशी और न्यायसंगत कानूनी तंत्र के निर्माण के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने हेतु विधि और न्याय मंत्रालय और सहयोगी संगठनों की भी सराहना की।

इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने कानूनी जागरूकता, पहुंच और सेवा वितरण को बढ़ाने के उद्देश्य से कई ज्ञान-आधारित उत्पादों और प्रौद्योगिकी-संचालित नवाचारों का अनावरण किया।

उन्होंने "लाभार्थियों की आवाज" पुस्तिका 2025-26 की प्रशंसा की। इसमें उन व्यक्तियों की प्रेरक कहानियों को संकलित किया गया है जिनके जीवन पर टेली-लॉ सेवाओं के माध्यम से सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

उन्होंने 'न्याय सेतु' नामक एक एआई-संचालित चैटबॉट भी लॉन्च किया। इसे नागरिकों और कानूनी सेवाओं के बीच एक डिजिटल सेतु के रूप में कार्य करने के लिए विकसित किया गया है।

उपराष्ट्रपति ने न्याय सेतु शुभंकर का भी अनावरण किया। इसे न्याय के एक सहज और सुलभ प्रतीक के रूप में परिकल्पित किया गया है। इसका उद्देश्य सार्वजनिक भागीदारी विशेष रूप से ग्रामीण और डिजिटल रूप से वंचित आबादी को मजबूत करना है।

ग्रेटर नोएडा में इंडियास्किल्स राष्ट्रीय प्रतियोगिता 2025-26 का शुभारंभ हुआ जिसमें भारत की बेहतरीन कुशल प्रतिभाओं ने प्रदर्शन किया

हमें अपने कौशल पर गर्व करना शुरू करना चाहिए, क्योंकि वही हमारी पहचान, हमारी क्षमता और हमारा भविष्य तय करते हैं: श्रीमती देबाश्री मुखर्जी, सचिव, एमएसडीई, इंडियास्किल्स राष्ट्रीय प्रतियोगिता

कौशल उत्कृष्टता को बढ़ावा देने वाले भारत के प्रमुख मंच, 'इंडियास्किल्स नेशनल कॉम्पिटिशन 2025-26' की आज ग्रेटर नोएडा में एक भव्य उद्घाटन समारोह के साथ शुरूआत हुई। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) के तत्वावधान में आयोजित और राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) द्वारा समर्थित इस प्रतियोगिता में देशभर से 650 से अधिक कुशल युवा भाग ले रहे हैं, जो 63 कौशल श्रेणियों में राष्ट्रीय और वैश्विक उद्योग मानकों के अनुरूप प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। यह प्रतियोगिता भविष्य के लिए तैयार कार्यबल निर्माण और विकसित भारत के विजन को आगे बढ़ाने की दिशा में

भारत की यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।

इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में वे शीर्ष प्रतिभागी शामिल हैं, जो देशभर में आयोजित पाँच क्षेत्रीय चरणों के विजेता रहे हैं। विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित इन प्रतियोगिताओं में हजारों प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिन्होंने उत्कृष्ट तकनीकी दक्षता, अनुशासन और प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया।

आज यहां एकत्र हुए फाइनलिस्ट इन कठिन चयन चरणों से निकलकर आए देश के सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागियों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

सभा को संबोधित करते हुए कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय की सचिव श्रीमती देबाश्री मुखर्जी ने कहा, ह्यशिक्षा ज्ञान देती है, लेकिन कौशल उस ज्ञान को उद्देश्य और ताकत देते हैं।

तेजी से बदलती दुनिया में किसी राष्ट्र की वास्तविक ताकत आजीवन सीखने की प्रतिबद्धता और कौशल पर गर्व करने में है। इंडियास्किल्स जैसे मंचों के माध्यम से हम ऐसे रोल मॉडल तैयार कर रहे हैं, जो युवाओं को कौशल में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करें। जब हम शंघाई में होने वाली वर्ल्डस्किल्स प्रतियोगिता के लिए मजबूत टीम भेजने की तैयारी कर रहे हैं, तो हम यह स्पष्ट संकेत दे रहे हैं कि भारत दुनिया के सबसे कुशल कार्यबलों में से एक तैयार कर रहा है।'

पूरे मोटापे की तुलना में पेट या शरीर के मध्य मोटापा एक बड़ा जोखिम : डॉ. जितेंद्र सिंह

विशेष रूप से भारतीय संदर्भ में जहां दुबले-पतले दिखने वाले व्यक्तियों में भी अक्सर काफी मात्रा में आंतरिक वसा पाया जाता है: डॉ. जितेंद्र सिंह

शरीर के मध्य मोटापा, यहां तक कि देखने में सामान्य दिखने वाले व्यक्तियों में भी, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, फैटी लिवर, डिस्लिपिडेमिया आदि सहित कई चयापचय संबंधी विकारों का कारण बन सकता है: डॉ. जितेंद्र सिंह

मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने 'हृदय रोग में मोटापा और लिपिड प्रबंधन' पर एक व्यापक पाठ्यपुस्तक का विमोचन किया

यह पुस्तक मोटापे से निपटने के लिए जागरूकता और जीवनशैली में बदलाव के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान को दशार्ती है: डॉ. जितेंद्र सिंह

(एजेंसी)।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान, केन्द्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन, परमाणु ऊर्जा विभाग और अंतरिक्ष विभाग के राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज यहां कहा कि पूरे मोटापे की तुलना में पेट या शरीर के मध्य मोटापा एक बड़ा जोखिम है, विशेष रूप से भारतीय संदर्भ में जहां दुबले-पतले दिखने वाले व्यक्तियों में भी अक्सर काफी मात्रा में आंतरिक वसा पाया जाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि शरीर के मध्य मोटापा अपने आप में मोटापे से अलग एक जोखिम है।

यहां एक समारोह में ह्लएडवांसेज इन ओबेसिटी एंड लिपिड मैनेजमेंट इन सीवीडी' नामक कार्डियोलॉजी की एक व्यापक पाठ्यपुस्तक का विमोचन करते हुए, डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि शरीर के मध्य मोटापा, यहां तक कि देखने में सामान्य दिखने वाले व्यक्तियों में भी, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, फैटी लिवर, डिस्लिपिडेमिया आदि सहित कई चयापचय संबंधी विकारों का कारण बन सकता है।

भारतीय शारीरिक संरचना की विशिष्टता का उल्लेख करते हुए मंत्री जी ने कहा कि यद्यपि पुरुषों और महिलाओं दोनों में मोटापा बढ़ रहा है, फिर भी पेट के मोटापे की व्यापकता कहीं अधिक है और यह हृदय संबंधी रोगों के जोखिम का एक अलग कारण है। पेट के आसपास आंतरिक वसा की उपस्थिति, सामान्य मोटापे के बिना भी, महत्वपूर्ण नैदानिक निहितार्थ रखती है और इसके लिए शीघ्र पहचान और लक्षित उपचार की आवश्यकता होती है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने इस प्रकाशन को सामयिक और प्रासंगिक बताते हुए कहा कि यह पुस्तक प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान के अनुसार मोटापे की बढ़ती समस्या से निपटने की राष्ट्रीय प्राथमिकता के अनुरूप है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जन जागरूकता बढ़ाने और जीवनशैली में बदलाव लाने का आह्वान किया है। इसमें तेल और अस्वास्थ्यकर आहार का सेवन कम करना शामिल है। यह पहल ह्लविकसित भारत, स्वस्थ भारत और मोटापा मुक्त भारत' के व्यापक दृष्टिकोण से मेल खाती है।

विकसित हो रही नैदानिक समझ के बारे में बोलते हुए, मंत्री जी ने पेट की चर्बी और फैटी लिवर रोग, इंसुलिन प्रतिरोध और कम उम्र में होने वाली हृदय संबंधी जटिलताओं के बीच संबंध स्थापित करने वाले बढ़ते प्रमाणों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि युवा आबादी में टाइप-2 मधुमेह और हृदय संबंधी घटनाओं सहित चयापचय संबंधी विकारों की बढ़ती घटनाएं जीवनशैली के बदलते स्वरूप, खान-पान की आदतों और शारीरिक संतुलन में कमी को दशार्ती हैं।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने संतुलित स्वास्थ्य प्रथाओं के महत्व पर भी प्रकाश डाला और बताया कि फिटनेस के लिए अत्यधिक या अवैज्ञानिक दृष्टिकोण, जिसमें पर्याप्त तैयारी या आराम के बिना अत्यधिक परिश्रम करना शामिल है, स्वास्थ्य के लिए जोखिम उत्पन्न कर सकता है। उन्होंने निरंतर जीवनशैली अनुशासन, पर्याप्त नींद और वैज्ञानिक रूप से निर्देशित निवारक देखभाल पर जोर दिया।

प्रख्यात हृदयरोग विशेषज्ञ डॉ. एच.के. चोपड़ा द्वारा संपादित यह पाठ्यपुस्तक भारत और विदेश के 300 से अधिक योगदानकताओं के नवीनतम विचारों को एक साथ लाती है।

सम्पादकीय

यूएस के लिये खाड़ी युद्ध से निकलना हो रहा मुश्किल

नाटो देशों से निराश अमेरिका ने खुद ही ईरान पर जमीनी हमले के लिए संकल्प लेते हुए जहां 2500 मरीन सैनिकों को पामि एशिया में रविवार को भेज दिया वहीं 1000 पैराट्रुप्स को भी इसी क्षेत्र में भेजने का आदेश दे दिया है। अमेरिका के वाल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक पेंटागन 10 हजार अतिरिक्त सैनिकों की तैनाती पर विचार कर रहा है। इसके बावजूद अमेरिका में ईरान के साथ युद्ध के खिलाफ हो रहे प्रादर्शनों को देखते हुए उपराष्ट्रपति जेडी वेंस कहते हैं कि अमेरिका ईरान में किसी अंतहीन युद्ध में नहीं पंसना चाहता।

दरअसल अमेरिका अब पहले की तरह नाटो की सेना एवं सैन्य सहयोग का इस्तेमाल करने में असमर्थ है। कोई भी देश उसके साथ खड़ा होने को तैयार नहीं है। ईरान खाड़ी के देशों पर लगातार हमले करके उनके अंदर असुरक्षा की भावना ला दी है। ईरान ने पहले भी खाड़ी देशों को चेतावनी देता रहा है कि उनकी सुरक्षा अमेरिका नहीं कर पाएगा। इस बात को खाड़ी के देश खासकर सऊदी अरबी, यूएई और कतर अमेरिका से कहते भी रहे कि यदि ईरान उनके ऊपर हमला करेगा तो उन्हें कौन बचाएगा! इस वक्त ईरान के इस्लामिक रिवाल्यूशनरी गार्ड की नहीं सुन रहे हैं, वे खाड़ी देशों पर हमले कर रहे हैं। इसलिए ये खाड़ी के देश चाहें या न चाहें इन्हें अमेरिका और इजरायल का समर्थन करते हुए दिखना पड़ रहा है। अब अमेरिका के लिए मुश्किल यह हो गया है कि वह खाड़ी देशों के लिए खुद मैदानी छापेमारी की कार्रवाई करे। एक महीने की युद्ध ने एक बात तो साबित कर दी है कि ईरान के पास बैलिस्टिक मिसाइलें ही हैं न कि परमाणु बम। यदि ईरान के पास परमाणु बम होता तो वह अब तक कब का मार चुका होता।

मजे की बात तो यह है कि इस युद्ध में पाकिस्तान की हालत सांप छछूंदर की हो चुकी है। सऊदी अरब के साथ पारस्परिक सुरक्षा संबंधी समझौता तो कर लिया पाकिस्तान ने किन्तु अब उसे इस बात का एहसास हो रहा होगा कि समझौते करने और समझौते के संकल्प को पूरा करने में क्या मुश्किलें आती हैं। सऊदी अरब ने तो सोचा होगा कि पूरे 57 इस्लामिक मुल्कों में अकेला पाकिस्तान ही है जिसके पास परमाणु बम हैं और यदि उससे समझौता कर लिया जाए तो वह उसके संकट के समय साथ देगा। दूसरी तरफ पाकिस्तान ने सऊदी अरब से इसलिए यह समझौता किया था ताकि उससे धन ऐंठ सके। पाकिस्तान ने ईरान पर हमले का साहस नहीं किया मात्र रविवार को तुका, सऊदी अरब और मिरत्र के विदेश मंत्रियों को इस्लामाबाद बुलाकर पाक विदेश मंत्री ने खाड़ी में खासकर सऊदी अरब पर हमले पर चर्चा की। आज युद्ध जिस स्तर पर पहुंच चुका है, इस्लामाबाद में विदेश मंत्रियों की बैठक का कोई महत्व नहीं है। कहीं न कहीं ईरान को पाकिस्तान यह संकेत भी दे रहा है कि उसकी मजबूरी है कि वह सऊदी अरब के प्राति संवेदना व्यक्त करता हुआ दिखे। यही कारण है कि ईरान ने भी होर्मुज स्ट्रेट से पाकिस्तान के जहाजों को गुजरने की इजाजत दे दी।

सच तो यही है कि यह युद्ध अमेरिका और इजरायल का है इसलिए न तो इधर से कोई देश सहयोग कर रहा है और न तो उधर से। ईरान की समझ में यह बात आ गई है कि अमेरिका और इजरायल उसके खिलाफ किसी भी हद तक जा सकते हैं, इसलिए उन्होंने खाड़ी देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य प्रातिष्ठानों पर निशाना लगाना जारी रखा हुआ है। मौके का फायदा उठाने, जलते यूक्रेन को छोड़कर जेलेंस्की सऊदी अरब इस उम्मीद में पहुंच गए कि हो सकता है संकटग्रास्त शेख वुछ धन उन्हें दे दें। जेलेंस्की खाड़ी के देशों को यह बताने गए हैं कि ईरानी ड्रोनों को मार गिराने का उन्हें अनुभव है। ईरान जो ड्रोन रूस को देता है उसे यूक्रेन की सेना मारकर गिरा देती है। बेचारे खाड़ी के शासकों को अब जेलेंस्की की मदद लेने पर मजबूर होना पड़ रहा है।

बहरहाल, इस युद्ध का भयंकर स्वरूप अभी तब सामने आएगा जब अमेरिका होर्मुज स्ट्रेट को ईरानी सेना से मुक्त कराने का प्रायास करेगा।

यही नहीं एक बार तो इजरायल के कहने पर फंसा अमेरिका और अब खाड़ी देशों के दबाव में यदि आव्रमक हुआ तो उपराष्ट्रपति बेंस के मुताबिक युद्ध का स्वरूप नहीं रह जाएगा। कारण कि ईरानी भी अमेरिकी सैनिकों की कब्रगाह बनाने पर तुले हैं।

फंड्सइंडिया का एयूएम बढ़कर 25,000 करोड़ रुपये के आंकड़े तक पहुँचा

डिजिटल वेल्थ लीडर के रूप में अपनी स्थिति को और भी मजबूत किया

29 मार्च, 2026: फंड्सइंडिया की कुल प्रबंधनाधीन संपत्ति (अवट) 25,000 करोड़ रुपये के पार पहुँच गई है। कंपनी ने सिर्फ एक तिमाही से कुछ ज्यादा वक्त में 20,000 करोड़ से 25,000 करोड़ रुपये तक का सफर तय कर 25% की बढ़ोतरी दर्ज की है। इस उपलब्धि के अलावा, यह बढ़त दिखाती है कि भारत के वेल्थ मैनेजमेंट इकोसिस्टम में हो रहे बड़े बदलावों के बीच कंपनी अब एक महत्वपूर्ण दौर में पहुँच चुकी है।

फंड्सइंडिया का मौजूदा अवट 25,000 करोड़ रुपये है, जो पिछले साल की तुलना में 58% की बढ़ोतरी और तीन साल की अवधि में 38% उअऋक्ष को दशार्ता है। पिछले 12 महीनों बात की जाए, तो इस प्लेटफॉर्म पर 2,100 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया, जबकि पिछले 24 महीनों में कुल निवेश 2,900 करोड़ रुपये रहा है। कुल एसेट्स में खुदरा निवेशकों की हिस्सेदारी 77% है, जबकि लठक और वल्ठक निवेशकों का योगदान 23% है, जो दिखाता है कि कंपनी की परिसंपत्ति का आधार काफी संतुलित और मजबूत है।

अवट में यह बढ़ोतरी असल में खुदरा निवेशकों की लगातार भागीदारी, और कंपनी के व्रक्ष पार्टनर इकोसिस्टम के भीतर मजबूत जुड़ाव के साथ-साथ अमीर तथा निजी संपत्ति वाले ग्राहकों के बीच बढ़ती लोकप्रियता की वजह से संभव हुई है। गौरतलब है कि, यह बढ़त सिर्फ बाजार में आए कुछ समय के उछाल की वजह से नहीं है; बल्कि यह लगातार आने वाले निवेश, व्यवस्थित तरीके से आवंटन और अलग-अलग तरह के निवेशकों की भागीदारी पर आधारित है।

यह बढ़ोतरी दिखाती है कि अब भारतीय निवेशक डिजिटल माध्यमों और सलाहकारों की मदद से निवेश करने को ज्यादा महत्व दे रहे हैं, क्योंकि अलग-अलग वर्गों के भारतीय निवेशक लंबे समय में अपनी जमा-पूंजी को बड़ा बनाने के लिए अनुशासित और लक्ष्य आधारित तरीके अपना रहे हैं। फंड्सइंडिया का केवल एक डिजिटल प्लेटफॉर्म से निकलकर पूरी वेल्थ मैनेजमेंट सेवाएं देने वाला प्लेटफॉर्म बनना इसी बदलाव का हिस्सा है, जो भरोसे, पारदर्शिता और तकनीक के बेहतरीन उपयोग के जरिए संभव हो पाया है।

आज यह प्लेटफॉर्म पूरे भारत में लगभग 30 लाख उपयोगकताओं को अपनी सेवाएँ दे रहा है, और खास बात यह है कि इसका दायरा सिर्फ पारंपरिक तौर पर पैसे के बड़े शहरी केंद्रों तक ही सीमित नहीं है। लगभग 39% निवेशक टी 30 शहरों से आते हैं, जबकि 61% निवेशक बी 30 बाजारों से हैं, जो उभरते हुए भौगोलिक क्षेत्रों में व्यवस्थित तरीके से निवेश की गहरी पहुँच को दशार्ता है। इस बढ़त में व्यवस्थित तरीके से निवेश की बड़ी भूमिका है, जिसमें फंड्सइंडिया की रक्ढ बुक 142 करोड़ रुपये की है और हर महीने इसमें 2 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो रही है, जिससे पता चलता है कि निवेशक लंबे समय के लिए अपनी जमा-पूंजी को बड़ा बनाने के प्रति गंभीर हैं।

प्रोडक्ट के नजरिए से देखा जाए, तो इसमें म्यूच्यूअल फंड की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा है, साथ ही इसमें पी एम एस और ए आई एफ जैसे प्रस्ताव, फिक्स्ड-इनकम और बॉन्ड प्रोडक्ट, तथा स्टॉक्स जैसे विकल्प भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। निवेश के ये अलग-अलग विकल्प दिखाते हैं कि कैसे यह प्लेटफॉर्म अब एक ऐसे बड़े धन प्रबंधन संस्थान के रूप में विकसित हुआ है, जो खुदरा निवेशकों से लेकर अमीर और प्राइवेट वेल्थ वाले ग्राहकों तक, सभी को अपनी सेवाएँ प्रदान करता है।

मौजूदा उपलब्धि के बारे में अपनी राय जाहिर करते हुए, फंड्सइंडिया के ग्रुप उएड, श्री अक्षय सप्रू ने कहाः

ह्लअवट में 25,000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करना हमारे सफर की एक और बड़ी उपलब्धि है, जिससे जाहिर है कि निवेशकों और भागीदारों को हम पर कितना गहरा भरोसा है। यह प्रगति भारत में व्यवस्थित तरीके से, अनुशासन के साथ और लक्ष्यों को ध्यान में रखकर लंबे समय के लिए जमा-पूंजी को बड़ा बनाने के हमारे संकल्प को और मजबूत करती है।

फंड्सइंडिया में, हमारी असली ताकत हमारे खास वर्टिकल्स में है। रिषभ गर्ग की अगुवाई में हमारा डिजिटल बिजनेस, निवेश के बेहतरीन तरीकों को बड़े स्तर पर आम लोगों तक पहुँचाने का काम लगातार कर रहा है। हमारा प्राइवेट वेल्थ वर्टिकल भी श्रीनिवास मेंडू की अगुवाई में उभरते और पहले से ही अमीर निवेशकों के लिए बेहतरीन और उनकी जरूरतों के हिसाब से सेवाएं दे रहा है। और मनीष गढ़वी की अगुवाई में हमारा पार्टनर बिजनेस, हजारों फाइनेंशियल एडवाइजर्स को गहराई से रिसर्च करने के अलावा, तकनीकी सहयोग और काम को बेहतर ढंग से करने की ताकत देकर मजबूत बना रहा है।

ये तीनों वर्टिकल्स साथ मिलकर ऐसा मजबूत और जुड़ा हुआ इकोसिस्टम बनाते हैं, जो हर तरह के निवेशकों और भागीदारों को फायदा पहुँचाता है। हमने हमेशा से ही ऐसी स्थायी क्षमताएं, मजबूत गवर्नेंस, गहन रिसर्च और विस्तार करने योग्य तकनीक विकसित करने को प्राथमिकता दी है जो लगातार और लंबे समय में बेहतर परिणाम दे सकें, और इसी के साथ हम पूरे भारत में वित्तीय समृद्धि बढ़ाने के अपने मिशन को भी आगे बढ़ा रहे हैं।'

वेस्टब्रिज कैपिटल के सहयोग से, फंड्सइंडिया अपनी टेक्नोलॉजी स्टैक, डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर और प्लेटफॉर्म की मुख्य क्षमताओं को बेहतर बनाने के लिए बड़े पैमाने पर निवेश कर रहा है। वित्त वर्ष 25झ26 के दौरान, कंपनी ने अपने एडवाइजरी फ्रेमवर्क को और बेहतर बनाया है, पोर्टफोलियो इंटेलिजेंस को बढ़ाया है, साथ ही डिजिटल तथा पार्टनर-आधारित चैनलों पर कुल मिलाकर ग्राहकों के अनुभव को बेहतर किया है। ए आई और एनालिटिक्स आधारित क्षमताओं में किए जा रहे निवेश से ग्राहकों को उनकी जरूरत के हिसाब से बेहतर सेवाएं मिलेंगी और सलाह देने की प्रक्रिया भी बड़े स्तर पर संभव हो पाएगी।

फिलहाल फंड्सइंडिया में 1150 पेशेवर कर्मचारी काम कर रहे हैं, जिनके सहयोग से कंपनी ने एडवाइजरी, टेक्नोलॉजी, निजी संपत्ति तथा जोखिम प्रबंधन के क्षेत्रों में अपनी क्षमताओं को मजबूत करना जारी रखा है, ताकि वह भारत के बदलते वेल्थ सेक्टर में जिम्मेदारी से विकास और लंबे समय तक बेहतर परिणाम के लिए खुद को तैयार कर सके।

मेदांता कैंसर समिट 2026 में कैंसर उपचार के हर पहलू पर हुई चर्चा

लखनऊ, 29 मार्च 2026 : मेदांता, लखनऊ द्वारा आयोजित मेदांता कैंसर समिट 2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनरल सर्जन, ब्रेस्ट सर्जन, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, गाइनकोलॉजिस्ट, जनरल मेडिसिन, ईएनटी, गेस्ट्रो और पिडियाट्रिक्स जैसे विभागों के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने भाग लिया तथा कैंसर उपचार के आधुनिक तरीकों और बदलते दृष्टिकोण पर विचार साझा किए।कार्यक्रम का उद्घाटन मेदांता लखनऊ के एमडी डॉ. राकेश कपूर ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने कैंसर उपचार में तेजी से हो रहे बदलावों और मरीज के अनुसार उपचार तय करने की बढ़ती आवश्यकता पर जोर दिया।

डॉ. राकेश कपूर ने कहा कि आज कैंसर का इलाज तेजी से बदल रहा है। अब एक ही तरह के इलाज की जगह हर मरीज के लिए अलग और सटीक उपचार तय किया जा रहा है। ऐसे मंच विशेषज्ञों को एक साथ लाकर बेहतर इलाज की दिशा में सहयोग और नई सोच को आगे बढ़ाते हैं। इस अवसर पर कैंसर जागरूकता से जुड़ा एक विशेष वीडियो भी जारी किया गया, जिसमें कैंसर के कारण से लेकर उपचार और बचाव के बारे में बताया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत मेडिकल ऑन्कोलॉजी पर चर्चा से हुई, जिसमें व्यक्तिगत कैंसर उपचार यानी प्रिसीजन ऑन्कोलॉजी पर चर्चा हुई। इसके बाद रेडिएशन ऑन्कोलॉजी सत्र में कैंसर के इलाज में रेडिएशन की भूमिका और उसकी उपयोगिता को सरल तरीके से समझाया गया। हेड एंड नेक ऑन्कोलॉजी सत्र में ओरल कैंसर की पहचान से लेकर उपचार तक की पूरी प्रक्रिया पर विस्तार से बात की गई, जिसमें शुरूआती जांच की अहमियत पर जोर दिया गया। ब्रेस्ट कैंसर सत्र में वर्तमान और भविष्य के इलाज, विशेष रूप से व्यक्तिगत उपचार पद्धति पर चर्चा हुई।

हीमेटो-ऑन्कोलॉजी सत्र में एक्यूट ल्यूकेमिया की समय पर पहचान, सही प्रबंधन और कार टी-सेल (उअफ-ळ) थेरेपी पर चर्चा हुई। जीआई कैंसर सत्र में जटिल सर्जरी और रोबोटिक तकनीकों के बढ़ते उपयोग पर विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा किए। लंग कैंसर सत्र में नए उपचार विकल्पों और बदलते रुझानों पर चर्चा हुई, जबकि यूरोजेनिटल कैंसर सत्र में रोबोटिक सर्जरी के आधुनिक तरीकों और उनके लाभ पर चर्चा हुई । अंतिम सत्र सर्वाइकल कैंसर पर केंद्रित रहा, जिसमें रेडिएशन थेरेपी की भूमिका को स्पष्ट किया गया।

कोच्चि स्थित दक्षिणी नौसेना कमान में आईओएनएस समुद्री अभ्यास (आईएमईएक्स) टीटीएक्स 2026 का आयोजन किया गया

(एजेंसी)।

भारतीय नौसेना ने 27 मार्च 2026 को दक्षिणी नौसेना कमान, कोच्चि स्थित समुद्री युद्ध पद्धति केंद्र में आईओएनएस समुद्री अभ्यास (आईएमईएक्स) टीटीएक्स 2026 की मेजबानी की। इस उच्च स्तरीय अभ्यास में हिंद महासागर नौसेना संगोष्ठी (आईओएनएस) के सदस्य नौसेनाओं के विशिष्ट प्रतिनिधि, आईओएस सागर के अंतर्राष्ट्रीय अधिकारी और भारतीय नौसेना के अधिकारी हिंद महासागर क्षेत्र में उभरती गैर-पारंपरिक समुद्री सुरक्षा चुनौतियों पर विचार-विमर्श करने के लिए एक साथ आए।

इस अभ्यास में बांग्लादेश, फ्रांस, इंडोनेशिया, केन्या, मालदीव, मॉरीशस, म्यांमार, सेशेल्स, सिंगापुर, श्रीलंका, तंजानिया और तिमोर-लेस्ते के देशों ने भाग लिया। यह विविध बहुराष्ट्रीय प्रतिनिधित्व आपसी विश्वास को बढ़ावा देने और पूरे क्षेत्र में सहयोगात्मक समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने की साझा प्रतिबद्धता को दशार्ता है। सोलह वर्षों के अंतराल के

बाद भारत को 2026-2028 के लिए आईओएनएस की अध्यक्षता मिली है। आईएमईएक्स टीटीएक्स 2026 क्षेत्रीय समुद्री नेतृत्व को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

अत्याधुनिक कृत्रिम वातावरण में आयोजित इस अभ्यास में हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में जटिल समुद्री सुरक्षा चुनौतियों का समाधान किया गया। यह क्षेत्र वैश्विक व्यापार, ऊर्जा प्रवाह और संपर्क के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके प्रमुख उद्देश्यों में भाग लेने वाली नौसेनाओं के बीच परिचालन दृष्टिकोण और बाधाओं की साझा समझ को बढ़ाना, सूचनाएं साझा करना और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं जैसे समन्वय तंत्रों की जांच करना और व्यावहारिक अनुप्रयोग के माध्यम से समुद्री सुरक्षा दिशानिदेर्शों के सत्यापन सहित आईओएनएस ढांचे के निरंतर परिष्करण का समर्थन करना शामिल था।

वास्तविक तैनाती की बाधाओं के बिना बहु-परिदृश्यीय आकस्मिकताओं का अनुकरण करके, इस अभ्यास ने प्रतिभागियों को पेशेवर आदान-प्रदान के नए रास्ते तलाशने और आपसी विश्वास को गहरा किया है। आईएमईएक्स टीटीएक्स 26 ने रचनात्मक संवाद, सामूहिक जिम्मेदारी और समुद्री चुनौतियों के क्षेत्रीय समाधानों के माध्यम से सहयोग के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में आईओएनएस की भूमिका को पुनः स्थापित किया।

इस अभ्यास से प्राप्त जानकारियों से आईओएनएस ढांचे को और मजबूत करने की उम्मीद है जिससे हिंद महासागर क्षेत्र में एक सुसंगत, उत्तरदायी और स्थिर समुद्री व्यवस्था सुनिश्चित हो सकेगी।

पश्चिम एशिया में चल रहे हालातों पर प्रमुख क्षेत्रों को लेकर नवीनतम जानकारी

(एजेंसी)।

पश्चिम एशिया में बदलती स्थिति के बीच, भारत सरकार प्रमुख क्षेत्रों में स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए निरंतर निगरानी बनाए हुए है और उचित तैयारी एवं प्रतिक्रियात्मक उपाय कर रही है। प्रयासों का मुख्य उद्देश्य निर्बाध ऊर्जा आपूर्ति बनाए रखना, समुद्री गतिविधियों की सुरक्षा करना और क्षेत्र में भारतीय नागरिकों को जरूरी सहायता प्रदान करना है। निम्नलिखित में 29 मार्च 2026 तक इन क्षेत्रों में उठाए गए कदमों का अद्यतन विवरण दिया गया है।

ऊर्जा आपूर्ति और ईंधन की उपलब्धता

होर्मुज जलडमरूमध्य के लगातार बंद रहने के मद्देनजर, देश भर में पेट्रोलियम उत्पादों और एलपीजी की बिना रूके उपलब्धता बनाए रखने के लिए सक्रिय उपाय किए जा रहे हैं। वर्तमान स्थिति इस प्रकार हैः

कच्चा तेल/रिफाइनरी

सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता से काम कर रही हैं और कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार मौजूद है। देश में पेट्रोल और डीजल का भी पर्याप्त स्टॉक बना हुआ है।

घरेलू खपत को पूरा करने के लिए रिफाइनरियों से एलपीजी का घरेलू उत्पादन बढ़ा दिया गया है।

रिटेल आउटलेट

देश भर में सभी खुदरा दुकानें सामान्य रूप से चल रही हैं। भारत सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 10 रुपये प्रति लीटर की कमी की है। इसके अलावा, भारत सरकार ने घरेलू बाजार में इन उत्पादों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए डीजल पर 21.5 रुपये प्रति लीटर और विमानन टरबाइन ईंधन (एटीएफ) पर 29.5 रुपये प्रति लीटर का निर्यात शुल्क लगाया है।

कुछ क्षेत्रों में अफरा - तफरी मचने से खरीदारी की खबरें सामने आई हैं। कुछ अफवाहों के चलते कुछ राज्यों के कुछ खुदरा दुकानों पर अफरा-तफरी मच गई, जिसके परिणामस्वरूप दुकानों पर असामान्य रूप से अधिक बिक्री और भारी भीड़ देखने को मिली। हालांकि, यह सूचित किया जाता है कि देश के सभी पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। जनता को अफवाहों पर विश्वास न करने की सलाह दी जाती है।

प्राकृतिक गैस

डी-पीएनजी और सीएनजी-परिवहन को 100 प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित करते हुए उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी गई है।

ग्रिड से जुड़े औद्योगिक और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को बिजली की आपूर्ति उनकी औसत खपत के 80 प्रतिशत के बराबर है।

भारत सरकार ने सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) संस्थाओं को सलाह दी है कि वे अपने सभी भौगोलिक क्षेत्रों में रेस्तरां, होटल और कैंटीन जैसे वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों के लिए पीएनजी कनेक्शन को प्राथमिकता दें, ताकि वाणिज्यिक एलपीजी की उपलब्धता से संबंधित चिंताओं का समाधान किया जा सके। चालू यूरिया संयंत्रों को आपूर्ति अब पिछले 6 महीनों की औसत खपत के लगभग 70-75 प्रतिशत पर स्थिर है। आपूर्ति और पाइपलाइन की सुचारू कार्यप्रणाली को बनाए रखने के लिए अतिरिक्त एलएनजी कार्गो और रीगैसिफाइड एलएनजी (आरएलएनजी) की भी व्यवस्था की जा रही है।

उर्वरक संयंत्रों सहित सभी औद्योगिक उपभोक्ताओं को सलाह दी गई है कि वे अपनी अतिरिक्त आवश्यकता समय पर ही बता दें ताकि गैस विपणन कंपनियां इसकी व्यवस्था कर सकें।

गर्मियों की छुटियों में अपने साथ जरूर रखें यह पांच प्रोडक्ट्स

शहनाज हुसैन

गर्मियाँ शुरू हो गई हैंइस सीजन में ज्यादातर लोग अपने परिवारदोस्तों के संग पहाड़ोंपर्यटक स्थलों पर घूमने का प्लान बनाते हैं ताकि ठण्डी हवाओं का आनन्द ले सकें और शहरों की भाग दौड़ उबाऊ भरी जिन्दगीसे राहत मिल सके

लेकिन गर्मियों के मौसम में खुले आसमान में घूमने से पसीने , टैनिंग , त्वचा में जलन , सनबर्नसे सौन्दर्य चौपट हो जाता है जिससे आपका मूड खराब हो जाता है

लेकिन अगर आप अपने साथ कुछ जरूरी सौन्दर्य प्रसाधन साथ रखेंगे तो आपको अपनी त्वचा बालों के प्रति ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं होगी

अगर आप अपने साथ कुछ जरूरी ब्यूटी प्रोडक्ट्स रखते हैं तो आप इस मौसम में त्वचा को होने वाले नुकसानों से खुद को बचा सकते हैं। इसलिए मेरा यह सुझाव है की अपने सामान मेंएक छोटा सा ब्यूटी बैग भी ले चलें और निश्चिन्त होकर पहाड़ों का आनन्द लें

1 -फेस वाइप्स--

गर्मियों में सबसे ज्यादापरेशानी पसीने से होती है

गर्मियों के मेंमौसम तेज धुप की बजह सेऑयली त्वचा ज्यादाऑयली हो जाती है जिससे चेहरे पर गन्दगी ,तेल जम जाता है इससे चेहरा डल हो जाता है और मेक अप भी खराब हो जाता है

इस लिए जब भी गर्मियों की छुटियों में आप घूमने जाएँ तो अपने साथ फेस वाइप्स जरूर रखें

चेहरे को साफ करने के लिए फेशियल वाइप्स का प्रयोग बड़ा आसान, सुविधाजनक और अच्छा माना जाता है। फेशियल वाइप्स के द्वारा हाथों.हाथ बिना पानी के चेहरे की त्वचा साफ भी हो जाती है और चेहरे की नर्व्स में ब्लड सकुर्लेशन भी बढ़ता है

गीले फेस वाइप्सको आप अपनी सुविधा के अनुसार उपयोग कर सकती हैंइसगीले फेस वाइप्सका उपयोग आप यात्रा के दौरानजब आपके पास पानी और फेस वॉश उपलब्ध नहीं हो, तोकर सकती हैं एक वाइप निकाल कर चेहरे कोपोंछने सेआपकी त्वचा तुरंत साफ और ताजा महसूस महसूस करती है

2 -वाटर प्रूफ काजल --

महिलाएं अपनी सुन्दरता को निखारने में आँखों परकाफी ध्यान देती हैंकाजल के बिना आँखे अधूरी सी रहती हैं

गर्मियों के मौसम मेंगर्मी और पसीने से काजल फैलने के समस्या आम है

इस समस्या से बचने के लिए वाटरप्रूफ काजल आपकी मदद कर सकता हैवाटर प्रूफ काजल आँखों पर लम्बे समय तक रहता हैयह आँखों को परेशान नहीं करता और सेंसिटिव आँखों बाली महिलाओंके लिएभी उपयुक्त होता है

जेल आधारित काजल 12 घण्टों तक टिका रहता हैजिसे आप ब्रश की मदद से लगासकती हैं

जहां तक सम्भव हो तो काजल की पतली लाइन लगाएं पतली लाइनें कम फैलती है जिससे आपका चेहरा पूरा दिन साफ और सुन्दर दीखता हैपतली लाइनें ज्यादा प्रकृतिक दिखती हैं और यात्रा के दौरान मेक अप के लिए सबसे ज्यादा उपयुक्त होती हैं क्योंकि पतली लाइन को ठीक करना भी आसान होता है

3 - ग्लिटर--जब भी आपछुट्टियाँ मनाने के लिए जाते हैंतो अमुमन रात को बाहर पार्टियों में जरूर जाना पड़ता हैरात के समय आँखों और नाखूनोंके लुक को बेहतर करने के लिए ग्लिटरका प्रयोग करना चाहिएजिससे आप औरों से बेहतर दिखेंग्लिटर नाखूनों कोएक नया लुक देता है जिससे साधारण मैनीक्योर भी खास दिखने लगता है

ग्लिटर मैनीक्योर अनगिनत प्रकार के कस्टमाइजेशन का अवसर प्रदान करता है औरविभिन्न साइज, रंगों और फिनिश के साथआपके सौन्दर्य को चार चाँद लगा देता है

ग्लिटर कई तरह के नाखूनों और उनकी लंबाई पर बहुत खूबसूरत लगता है। चाहे आपके नाखून छोटे हों या लंबे एक्सटेंशन, ग्लिटर उनकी खूबसूरती को बढ़ा सकता है और उन्हें आकर्षक और सुंदर बना सकता है

4 -ड्राई शैम्पू -

जब भी आप ट्रैवेल कर रहे होते हो तो समय की हमेशा कमी रहती है और बालों को धोने का कम ही समय मिल पाता हैऐसे में ड्राई शैम्पू काफी मददगार सावित हो सकता है

ड्राई शैम्पू पानी रहित उत्पाद है जिसे बालोंको साफ करने के लिएआम तौर पर स्प्रे या पाउडर के रूप में उपयोग किया जाता हैइसे सिर की त्वचापर लगाया जाता है और यह बालों से तेल या सीबमको सोख लेता है जिससे बाल साफऔरतरोताजा दिखते हैं यदि आपकी स्कैल्प संवेदनशील है तो आपको अल्कोहल आधारित यासुगन्धित ड्राई शैम्पू से बचना चाहिएकुछ ड्राई शैम्पू अलग अलग शेड्स में भी आते हैं जोकि आपके बालों की शेड से मैच करते हैं

लेखिका अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सौन्दर्य है और हर्बल क्वीन के रूप में लोकप्रिय है

उत्तर प्रदेश के चार खिलाड़ी मुख्य ड्रा में प्रथम स्वर्गीय डॉ केएसएम यूनुस आइटा प्राइजमनी टेनिस टूनार्मेंट

लखनऊ उत्तर प्रदेश के चिन्मय देव चौहान, ऋषि यादव, वंश यादव व जॉय दास ने प्रथम स्वर्गीय डॉ केएसएम यूनुस आइटा प्राइजमनी टेनिस टूनार्मेंट के क्वालीफाइंग मुकाबलों के अंतिम राउंड में जीत के साथ मुख्य ड्रा मे प्रवेश किया। इसी के साथ हरियाणा के दो जबकि महाराष्ट्र व राजस्थान के एक-एक खिलाड़ियों ने मुख्य ड्रा में स्थान सुरक्षित किया।

एक लाख रुपए की प्राइजमनी वाले टूनार्मेंट का आयोजन उत्तर प्रदेश टेनिस एसोसिएशन के तत्वावधान में एसडीएस टेनिस अकादमी द्वारा लामार्टिनियर कॉलेज स्थित

लामार्टिनियर लॉन टेनिस फैसिलिटी में किया जा रहा है।

रविवार को क्वालीफाइंग के अंतिम दौर में उत्तर प्रदेश के चिन्मय देव चौहान, ऋषि यादव, वंश यादव, हरियाणा के सुनील कुमार व हर्ष मलिक, महाराष्ट्र के पांशुल ओबोवेजा और राजस्थान के अमित ने जीत दर्ज की और मुख्य ड्रा में पहुंच गए।

एसडीएस टेनिस अकादमी के संस्थापक सदस्य पवन सागर ने बताया कि इरम ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस द्वारा प्रायोजित टूनार्मेंट में 30 मार्च को मुख्य ड्रा के मैच की शुरूआत सुबह 7:30 बजे होगी। टूनार्मेंट का औपचारिक उद्घाटन शाम 5:30 बजे मुख्य अतिथि प्रकाश डी (आईपीएस, डीजीपी रेलवे) के करकमलों द्वारा किया जाएगा।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

वजीरगंज के ग्राम सिंगथरा में आदर्श विद्यालय की जिम का भव्य शुभारंभ, एमएलसी डॉ0 जय पाल सिंह व्यस्त और बिसौली विधायक आशुतोष मौर्य ने काटा फीता

बदायूं /वजीरगंज क्षेत्र के ग्राम सिंगथरा स्थित श्री अवनीश कुमार सिंह मेमोरियल आदर्श विद्यालय में नवीन जिम का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक विधान परिषद सदस्य (टछउ) डॉ. जयपाल सिंह 'व्यस्त' और बिसौली विधायक आशुतोष मौर्य "राजू भैया" ने संयुक्त रूप से फीता काटकर जिम का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर विद्यालय एवं जिम संचालक व मंडल उपाध्यक्ष आशीष कुमार सिंह ने मुख्य अतिथियों का जोरदार स्वागत किया। उन्होंने एमएलसी डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त, विधायक आशुतोष मौर्य, ब्रज प्रांत सदस्य हरिओम पाराशरी, जिला मंत्री नीटू पाल, मंडल अध्यक्ष (ग्रामीण) सुनील सिंह एडवोकेट और मंडल अध्यक्ष (उघैती) ठाकुर ललितेश्वर सिंह सहित सभी वरिष्ठ भाजपा कार्यकताओं को पटका पहनाकर और 'राम दरबार' भेंट कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में क्षेत्र के प्रमुख जनप्रतिनिधि और भाजपा पदाधिकारी भी मौजूद रहे, जिनमें ब्लॉक प्रमुख शिवम सिंह, शैलेश शर्मा, सुमित सिंह, मुकेश मिश्रा, पुष्पेंद्र मौर्य, राहुल सिंह, टिंकू सिंह, घनश्याम माहेश्वरी, गजेंद्र सिंह, राघव (मंडल अध्यक्ष वजीरगंज), बाबूजी श्याम पाल सिंह, चंदेश सक्सेना और पुनीत शाक्य मुख्य थे।

जिम के शुभारंभ से स्थानीय युवाओं में उत्साह है। वक्ताओं ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में इस तरह की आधुनिक सुविधाओं से युवाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होने और खेल प्रतिभाओं को निखारने में मदद मिलेगी।

अमृत सरोवर बना भ्रष्टाचार का सरोवर! नवदिया मरौरी में बिना काम निकाली गई लाखों की रकम, ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

(एजेंसी)।

बिलसंडा (पीलीभीत)।ब्लॉक क्षेत्र की ग्राम पंचायत नवदिया मरौरी में विकास कार्यों के नाम पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि प्रधान ममता देवी के पति और ससुर ने अमृत सरोवर सहित अन्य विकास कार्यों में बिना कार्य कराए ही ग्राम निधि खाते से भारी धनराशि निकाल ली।ग्रामीणों का कहना है कि कागजों में विकास कार्य पूरे दिखाए जा रहे हैं, लेकिन हकीकत में धरातल पर कोई काम नजर नहीं आता। अमृत सरोवर योजना, जो गांव के जल संरक्षण और सौंदर्यीकरण के लिए बनाई गई थी, वह भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई।ग्रामीणों ने बताया कि इस मामले की शिकायत कई बार

अधिकारियों से की जा चुकी है, लेकिन हर बार मामले को दबाने का प्रयास किया गया। इससे नाराज ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।अब परेशान होकर ग्रामीणों ने भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के नेताओं का सहारा लिया है। भाकियू नेताओं के माध्यम से मामले को उजागर कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई गई है।ग्रामीणों का आरोप है कि पिता-पुत्र की मिलीभगत से ग्राम निधि खाते से अवैध रूप से बड़ी रकम निकाली गई है। यदि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए तो करोड़ों के घोटाले का खुलासा हो सकता है।ग्रामीणों की मांग:पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए दोषियों पर एफआईआर दर्ज हो ग्राम निधि की निकासी का ऑडिट कराया जाए दोषियों से धनराशि की वसूली हो अब बड़ा सवाल:क्या प्रशासन इस बार भी मामले को दबा देगा या फिर भ्रष्टाचारियों पर होगी कड़ी कार्रवाई? यह मामला न केवल सरकारी योजनाओं की पारदर्शिता पर सवाल खड़ा करता है, बल्कि ग्रामीण विकास की सच्चाई भी उजागर करता है। अब देखने वाली बात होगी कि प्रशासन इस पर क्या कदम उठाता है।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत विथरा में कन्या जन्मोत्सव की धूम

(एजेंसी)।

पीलीभीत। जनपद पीलीभीत में मिशन शक्ति 5.0 फेज-2 के अंतर्गत बाल विकास सेवा, पुलिस विभाग एवं महिला कल्याण विभाग के समन्वय से ग्राम विथरा के आंगनबाड़ी केंद्र पर कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कन्या जन्म को उत्सव की तरह मनाना और समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना रहा।

कार्यक्रम में नवजात कन्याओं के परिवारों को सम्मानित किया गया। आंगनबाड़ी कार्यकताओं ने उत्साहपूर्वक कन्याओं का स्वागत किया तथा उनके माता-पिता को शुभकामनाएं दीं। पुलिस विभाग के प्रतिनिधियों ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत जागरूकता संदेश दिए, जबकि महिला कल्याण विभाग ने कन्याओं के लिए उपहार एवं पोषण किट वितरित किए।

ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना की तथा कहा कि ऐसे कार्यक्रम बेटियों के सम्मान को बढ़ावा देंगे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। जिला प्रशासन ने सभी विभागों को ऐसे आयोजनों को निरंतर जारी रखने के निर्देश दिए हैं।

तीन दिवसीय टारगेट शूटिंग प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ

(एजेंसी)।

पीलीभीत, 29 मार्च 2026: जिले की पुलिस फायरिंग रेंज में आज जिला राइफल क्लब के तत्वावधान में तीन दिवसीय टारगेट शूटिंग प्रतियोगिता का शुभारंभ जिलाधिकारी महोदय पीलीभीत एवं पुलिस अधीक्षक पीलीभीत द्वारा किया गया। इस अवसर पर दोनों अधिकारियों ने प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं और खेल के माध्यम से युवाओं में अनुशासन, साहस तथा निशानेबाजी कौशल विकसित करने पर जोर दिया।

प्रतियोगिता में जिले भर से बड़ी संख्या में निशानेबाज हिस्सा ले रहे हैं, जिसमें विभिन्न आयु वर्गों के पुरुष एवं महिला प्रतिभागी शामिल हैं। आयोजन का मुख्य उद्देश्य स्थानीय स्तर पर निशानेबाजी प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना तथा राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए चयनित करना है। पहले दिन की प्रतियोगिता में 10 मीटर एयर राइफल एवं पिस्टल इवेंट्स आयोजित हुए, जिसमें कई प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

जिलाधिकारी ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं न केवल खेलकूद को बढ़ावा देती हैं, बल्कि युवाओं को सकारात्मक दिशा प्रदान करती हैं। पुलिस अधीक्षक ने भी सुरक्षा एवं अनुशासन के महत्व पर बल देते हुए सभी को नियमों का पालन करने का निर्देश दिया। प्रतियोगिता के शेष दो दिनों में विभिन्न श्रेणियों के फाइनल मुकाबले होंगे, तथा विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए जाएंगे। आयोजन में जिला राइफल क्लब के पदाधिकारी एवं कोचों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

गैंगस्टर एक्ट के इनामी बदमाशों को बरखेड़ा पुलिस ने दो तमंचों सहित दबोचा

(एजेंसी)।

पीलीभीत। पुलिस अधीक्षक व अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपराधियों की गिरफ्तारी के अभियान में थाना बरखेड़ा पुलिस को बड़ी सफलता मिली। गैंगस्टर एक्ट में 25-25 हजार रुपये के इनामी दो अपराधियों को देवहा नदी के पुल के पास चेकिंग के दौरान दो 12 बोर तमंचे व चार जिंदा कारतूस सहित गिरफ्तार किया गया।पकड़े गये अभियुक्तों में रजनीश पुत्र धर्मपाल निवासी ग्राम बढेपुरा थाना बीसलपुर व योगेन्द्र पुत्र तोताराम निवासी ग्राम केंचुआ थाना बिलसण्डा शामिल हैं।

दोनों की उम्र क्रमशः 23 व 22 वर्ष बताई जा रही है। इनके खिलाफ मु0अ0सं0 87/2026 धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट का केस दर्ज था। गिरफ्तारी के बाद थाना बरखेड़ा पर मु0अ0सं0 97/2026 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत नया मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

गिरफ्तार अभियुक्त रजनीश पुत्र धर्मपाल, ग्राम बढेपुरा, थाना बीसलपुर (इनामी राशि 25,000 रुपये)योगेन्द्र पुत्र तोताराम, ग्राम केंचुआ, थाना बिलसण्डा (इनामी राशि 25,000 रुपये) गिरफ्तारी टीम वरिष्ठ उपनिरीक्षक महेन्द्र सिंह

उपनिरीक्षक नवीन कुमार

हेड कांस्टेबल मो. अली

कांस्टेबल अंकित कुमार

कांस्टेबल रजत राणा

गोमती दर्शन यात्रा को लेकर व्यापक तैयारी, संस्कृति और आस्था का संगम

(एजेंसी)।

पीलीभीत- भारतीय संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण और धार्मिक आस्था के अद्भुत संगम के रूप में आयोजित होने जा रही ह्लगोमती दर्शन यात्रा' को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। इस पावन यात्रा की विस्तृत जानकारी देते हुए अध्यक्ष गोमती दर्शन श्वेता सिंह ने हमारे सहयोगी संवाददाता से विशेष बातचीत में बताया कि यह यात्रा न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि माँ गोमती के संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जनजागरण का एक बड़ा अभियान भी है।

उन्होंने बताया कि यात्रा का शुभारंभ 27झ्28 मार्च को पीलीभीत में आगमन और रात्रि विश्राम के साथ होगा। 28 मार्च को विशेष रूप से माँ गोमती स्वच्छता अभियान, विधि-विधान से पूजन एवं हवन और सायंकाल भव्य आरती का आयोजन किया जाएगा। 29 मार्च से यात्रा पदयात्रा के रूप में प्रारंभ होगी, जो सीतापुर के पवित्र नैमिषारण्य धाम पहुंचेगी, जहां 3 अप्रैल को पूजन, विभिन्न महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों से होकर गुजरेगी।

यात्रा का पहला पड़ाव शाहजहाँपुर होगा, जहां 29 और 30 मार्च को रात्रि विश्राम एवं पूजन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके पश्चात 31 मार्च को यात्रा लखीमपुर खीरी स्थित प्रसिद्ध टेढ़ेनाथ मंदिर के लिए प्रस्थान करेगी, जहां 1 अप्रैल को पूजन कार्यक्रम संपन्न होगा। इसके बाद 2 अप्रैल को यात्रा स्वच्छता अभियान और सायंकालीन आरती का आयोजन किया जाएगा।

आगे 4 अप्रैल को यात्रा चंद्रिका देवी मंदिर की ओर प्रस्थान करेगी, जहां 5 अप्रैल की प्रातःकालीन बेला में पूजन, हवन और स्वच्छता अभियान आयोजित होगा। उसी दिन सायंकाल लखनऊ के कुड़ियाघाट पर इस भव्य यात्रा का समापन किया जाएगा।

अध्यक्ष श्वेता सिंह ने सभी श्रद्धालुओं और क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहा कि माँ गोमती के संरक्षण, स्वच्छता और सांस्कृतिक जागरूकता के इस महाअभियान में अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता करें, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और पवित्र नदी का आशीर्वाद मिल सके।

यह यात्रा भारतीय संस्कृति, आस्था और सामाजिक जिम्मेदारी का एक जीवंत उदाहरण बनकर उभर रही है, जिसमें जनभागीदारी ही इसकी सबसे बड़ी शक्ति है।

पीलीभीत जिला पंचायत टेंडर घोटाले में अपर मुख्य अधिकारी पर शिकंजा: शासन ने जांच व अनुशासनिक कार्रवाई के आदेश दिए

(एजेंसी)।

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश शासन के पंचायती राज विभाग ने पीलीभीत जिला पंचायत में टेंडर प्रक्रिया की गंभीर अनियमितताओं पर सख्ती बरतते हुए अपर मुख्य अधिकारी (अटअ) धर्मेंद्र कुमार के खिलाफ अनुशासनिक कार्रवाई शुरू करने और उच्च स्तरीय जांच के आदेश जारी किए हैं। विशेष सचिव जय प्रकाश पाण्डेय ने जिलाधिकारी की जांच रिपोर्ट के आधार पर यह कदम उठाया है, जिसमें कई आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए गए।

जिलाधिकारी की रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि 25 नवंबर 2025 को अभियंता के अवकाश के बावजूद उनके 'डोंगल' का अनाधिकृत उपयोग कर वित्तीय बिड खोली गई। साथ ही, 95 निर्माण कार्यों की ई-निविदा की तकनीकी बिड बिना उचित जांच के स्वीकृत कर दी गई। ऑनलाइन प्रक्रिया में समिति के सभी अनिवार्य सदस्यों के हस्ताक्षर के बजाय केवल अटअ के हस्ताक्षरों से काम चला लिया गया। श्रमिक पंजीकरण की अनिवार्य शर्त का भी उल्लंघन किया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए राज्यपाल की स्वीकृति से बरेली मंडल आयुक्त को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। 'उत्तर प्रदेश जिला पंचायत सेवा नियमावली-1970' के तहत कार्रवाई का निर्णय लिया गया। जिला पंचायत में हड़कंप मच गया है, खासकर उन 95 निर्माण कार्यों पर सवाल उठे हैं जिनकी निविदा त्रुटिपूर्ण पाई गई।

शासन ने चेतावनी दी है कि सरकारी धन के दुरुपयोग और प्रक्रियाओं में हेराफेरी करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। बरेली कमिश्नर की रिपोर्ट आने के बाद बड़ी कार्रवाई की प्रबल संभावना है, जो अन्य अधिकारियों के लिए कड़ा संदेश है।

केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद द्वारा रेल मंत्री को लिखे पत्र के बाद जारी हुआ आदेश, पीलीभीत समेत यात्रियों को बड़ी राहत

(एजेंसी)।

पीलीभीत। क्षेत्र के यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। टनकपुरझ अछनेरा एक्सप्रेस (05061/05062) को नियमित करने का आदेश जारी कर दिया गया है। इस संबंध में कुछ दिन पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री सांसद पीलीभीत जितिन प्रसाद द्वारा केंद्रीय रेल मंत्री को पत्र लिखकर ट्रेन को नियमित करने और राजस्थान के कोटा तक विस्तार देने की मांग की गई थी।

किसान नेता एवं प्रांतीय संरक्षक क्रांतिकारी विचार मंच उत्तर प्रदेश देव स्वरुप पटेल ने कहा कि जितिन प्रसाद जी जब से पीलीभीत से सांसद बने हैं तब से पीलीभीत क्षेत्र का सर्वांगीण विकास हो रहा है

जारी आदेश के बाद अब यह ट्रेन नियमित रूप से संचालित होगी, जिससे लोकसभा क्षेत्र पीलीभीत के यात्रियों को बड़ा लाभ मिलेगा। खासकर छात्रों, व्यापारियों और आम नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। ट्रेन के नियमित संचालन से यात्रा सुगम होने के साथ-साथ किराए में भी कमी आने की उम्मीद जताई जा रही है।

केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में क्षेत्र को देश के प्रमुख शहरों से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। स्थानीय लोगों ने इस फैसले का स्वागत करते हुए रेल मंत्री और केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद का आभार व्यक्त किया है।

बाबा नीम करौली जी की प्रेरणा से इण्डियन हेल्पलाइन ने जरूरतमंदों तक पहुँचाया सम्मानपूर्ण भोजन

जरूरतमंदों की सेवा में जुटी संस्था, समाज को दिया सहयोग का संदेश: सी. एच. तिवारी

संस्था की पहल: विशेष अवसरों को सेवा कार्यों से जोड़ने की अपील - बलवंत सिंह

लखनऊ। प्रेरणाश्रोत बाबा नीम करौली जी की कृपा से इण्डियन हेल्पलाइन सोसाइटी द्वारा संचालित बृज की रसोई सेवा प्रकल्प के अंतर्गत दिनांक 29 मार्च 2026, रविवार को आशियाना, लखनऊ के आशियाना क्षेत्र में आयोजित निःशुल्क भोजन वितरण सेवा कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

संजय श्रीवास्तव ने कहा कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के अकिंचन, असहाय, निराश्रित, श्रमजीवी एवं जरूरतमंद वर्ग को सम्मानपूर्वक पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जरूरतमंदों ने पौष्टिक निःशुल्क भोजन ग्रहण किया तथा स्वयंसेवकों द्वारा सेवा भाव से भोजन वितरण किया गया।

विकास पाण्डेय ने बताया कि यह सेवा केवल भोजन वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि मानवता, सहयोग और संवेदना का जीवंत उदाहरण है। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभा कर सहयोग प्रदान किया।

संस्था के संस्थापक विपिन शर्मा ने सभी सहयोगकताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा ही सच्ची साधना है, और इसी पावन भावना के साथ संस्था निरंतर जरूरतमंदों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने हेतु कार्यरत है। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि जीवन के खास पल जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ, पुण्यतिथि अथवा किसी भी खुशी के अवसर को और अधिक सार्थक बनाइए।

हमारे इस पुण्य सेवा कार्य से जुड़कर उन चेहरों पर खुशियाँ बाँटिए, जिनके जीवन में मुस्कुराने के अवसर सीमित होते हैं। आपका छोटा सा सहयोग किसी बच्चे की मुस्कान, किसी माँ की तसल्ली और किसी बुजुर्ग की दुआ बन सकता है। आइए, आगे बढ़कर हाथ थामिए क्योंकि किसी के हिस्से की रोटी बनना ही सबसे बड़ी इंसानियत है।

राजीव पाण्डेय ने कहा कार्यक्रम के दौरान अनुशासन, स्वच्छता एवं सुव्यवस्थित प्रबंधन विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। उपस्थित लोगों ने संस्था के इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक पहल बताया।

कार्यक्रम में सी. एच. तिवारी, राजीव पाण्डेय, बलवंत सिंह, संजय श्रीवास्तव, अनुराग दुबे, अर्पित रावत, विकास पाण्डेय, अखिलेश सिंह, रामआसरे कनौजिया, गोविन्द सिंह सहित अनेक सहभागियों की सक्रिय सहभागिता रही।

अनुराग दुबे ने अवगत कराया अंत में संस्था ने अपील की कि अधिक से अधिक लोग इस प्रकार के परोपकारी कार्यों से जुड़कर समाज के वंचित वर्ग की सेवा में सहभागी बनें, जिससे हर भूखे चेहरे पर मुस्कान लाई जा सके।

प्रयागराज में फर्जी पत्रकारों पर पुलिस का शिकंजा, कई पर कार्रवाई

(एजेंसी)।

राजधानी लखनऊ /प्रयागराज

प्रयागराज। जनपद में फर्जी पत्रकारों के खिलाफ पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए अभियान तेज कर दिया है। मीडिया कर्मियों के भेष में अपराध करने और आम लोगों पर दबाव बनाने वाले व्यक्तियों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

यह कार्रवाई प्रयागराज इलेक्ट्रॉनिक मीडिया वेलफेयर क्लब की शिकायत के बाद शुरू हुई। मामला तब सामने आया जब क्लब के वरिष्ठ सदस्य व एक निजी चैनल के रिपोर्टर मो. गुफरान के साथ कवरेज के दौरान कथित पत्रकार रईस अहमद ने अभद्रता की। घटना के बाद क्लब पदाधिकारियों ने पुलिस आयुक्त से मुलाकात कर कड़ी कार्रवाई की मांग की।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शाहगंज क्षेत्र में रईस अहमद और

उसके भाई के खिलाफ कार्रवाई की। जांच में सामने आया कि रईस अहमद के खिलाफ पहले से कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं और वह चोरी के मामले में जेल भी जा चुका है।

इसी क्रम में सिविल लाइंस पुलिस ने सोमराज वर्मा नामक एक अन्य कथित पत्रकार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। आरोप है कि वह खुद को मीडियाकर्मी बताकर लोगों पर दबाव बनाता था और सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री के साथ एडिटेड तस्वीरें साझा कर खुद को वरिष्ठ पत्रकार के रूप में प्रस्तुत करता था।

पुलिस के अनुसार, सोमराज वर्मा के खिलाफ पहले भी कई मामले दर्ज हैं। हाल ही में उसने पुलिस लाइन में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान अन्य पत्रकारों से अभद्रता की और सिविल लाइंस क्षेत्र में क्लब अध्यक्ष को धमकी भी दी थी।

पुलिस आयुक्त के निर्देश पर शहर, गंगानगर और यमुनानगर—तीनों जोनों में विशेष जांच कमेटियां गठित की गई हैं। ये टीमें फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट, यूट्यूबर और स्वयंभू पत्रकारों की पहचान कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगी।

लगातार हो रही कार्रवाई से माइक आईडी और प्रेस के नाम पर अवैध वसूली करने वालों में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि थाने स्तर पर भी ऐसे लोगों की पहचान कर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

वहीं, जनपद के पत्रकारों ने भी एकजुट होकर मांग की है कि मीडिया की साख को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रखा जाए।

वर्तमान वित्तीय वर्ष के बजट में स्वीकृत योजनाओं के सापेक्ष शिथिल कार्यवाही (डीपीआर लंबित) करने वाले ईओ एवं पीओ (डूडा) पर होगी कड़ी कार्रवाईः मंत्री श्री ए के शर्मा

संगम सभागार, लखनऊ में नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ने की योजनाओं की विस्तृत समीक्षा, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

जनहित योजनाओं में देरी व लापरवाही पर शून्य सहनशीलता, समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने पर जोर

(एजेंसी)।

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा ने कल रविवार को संगम सभागार, लखनऊ में विभागीय अधिकारियों के साथ स्वीकृत विभिन्न योजनाओं की प्रगति की गहन एवं विस्तृत समीक्षा की गई बैठक में उन्होंने स्पष्ट और सख्त निर्देश देते हुए कहा कि जिन अधिशासी अधिकारियों (ईओ) एवं परियोजना अधिकारियों (पीओ, डूडा) द्वारा स्वीकृत योजनाओं के सापेक्ष विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) समय से तैयार कर शासन को प्रेषित नहीं की जा रही है उनके विरुद्ध कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी मंत्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा है कि सभी नगरीय योजनाएं तय समयसीमा के भीतर धरातल पर उतरें और आम जनता को उनका लाभ शीघ्र प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही उदासीनता या कार्य में अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बैठक में पंडित दीनदयाल उपाध्याय योजना, मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना, वंदन योजना, पेयजल योजना, कान्हा गौशाला योजना, उपवन योजना तथा आदर्श नगर पालिका योजना सहित अन्य प्रमुख योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा की गई। प्रत्येक योजना के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति, डीपीआर तैयार करने की प्रगति, वित्तीय स्वीकृति, कार्यारंभ एवं पूर्णता की समय सीमा पर विस्तार से चर्चा की गई मंत्री शर्मा ने निर्देशित किया कि सभी ईओ एवं पीओ (डूडा) अपने-अपने क्षेत्रों में लंबित डीपीआर को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करें और समय से शासन को प्रेषित करें, ताकि स्वीकृत परियोजनाओं पर कार्य शीघ्र प्रारंभ कराया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित की जाए मंत्री शर्मा ने अधिकारियों से कहा कि सभी परियोजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और किसी भी प्रकार की बाधा आने पर उसका त्वरित समाधान किया जाए। साथ ही उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जमीनी स्तर पर कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए आमजन से फीडबैक लिया जाए जिससे योजनाओं की प्रभावशीलता और बेहतर बनाई जा सके उन्होंने कहा कि नगरीय विकास राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है और इसके माध्यम से शहरों में बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है।

थाना मेजा पुलिस टीम द्वारा 01 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से घटना में प्रयुक्त 01 लोहे का सब्बल (रॉड) बरामद

(एजेंसी)।

राजधानी लखनऊ /प्रयागराज

थाना मेजा पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-143/2026 धारा 109(1) बीएनएस का नामजद अभियुक्त रामबाबू पुत्र सुग्गीलाल निवासी ग्राम इसौटा थाना मेजा जनपद प्रयागराज को मुखबिर की सूचना पर ग्राम इसौटा नहर पुलिया के पास थाना क्षेत्र मेजा से 01 लोहे के सब्बल (रॉड) के साथ दिनांक 28.03.2026 को गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

घटना का संक्षिप्त विवरण-

दिनांक 26.03.2026 को वादी विमलेश कुमार पुत्र अशोक कुमार निषाद ग्राम इसौटा थाना मेजा प्रयागराज द्वारा थाना स्थानीय पर दी गयी तहरीर बावत विपक्षी द्वारा वादी के पिता अशोक कुमार निषाद उम्र करीब 45 वर्ष को जान से मारने की नियत से लोहे की सब्बल से वार करने, जिससे वादी के पिता को चोटे आने

के सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 143/2026 धारा 109(1) बीएनएस पंजीकृत किया गया । थाना मेजा पुलिस टीम द्वारा नामजद अभियुक्त रामबाबू उपरोक्त को घटना में प्रयुक्त 01 लोहे के सब्बल (रॉड) के साथ थाना क्षेत्र मेजा से दिनांक 28.03.2026 को गिरफ्तार किया गया ।

पूछताछ का विवरण-

अभियुक्त राम बाबू उपरोक्त ने पूछने पर बताया कि अशोक कुमार और

उसके लड़के सुनील कुमार के कारण ही मेरे पिता सुग्गीलाल को दिल का दौरा पड़ा है जिसका बदला लेने के लिए हमने उसके पिता पर हमला किया था ।

गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-

रामबाबू पुत्र सुग्गीलाल निवासी ग्राम इसौटा थाना मेजा जनपद प्रयागराज, उम्र करीब 30 वर्ष ।

सम्बन्धित अभियोग का विवरण-

मु0अ0सं0 143/2026 धारा 109(1) बीएनएस थाना मेजा कमिश्नरेट प्रयागराज ।

बरामदगी का विवरण-

घटना में प्रयुक्त 01 लोहे का सब्बल (रॉड)

गिरफ्तारी/बरामदगी करने वाली पुलिस टीम-

1. उ0नि0 अनुज राय, थाना मेजा कमिश्नरेट प्रयागराज ।

2. हे0का0 रमापति पाण्डेय, थाना मेजा कमिश्नरेट प्रयागराज ।

3. का0 अभिषेक अवस्थी, थाना मेजा कमिश्नरेट प्रयागराज ।

संडीला के मोहल्ला हरिजन सराय में किन्नर समाज की सराहनीय पहल रेखा गुरु ने निर्धन कन्या शाहिना की शादी में दिया सहयोग

(एजेंसी)।

हरदोई/संडीला इंसानियत और सामाजिक सद्भाव का एक प्रेरणादायक उदाहरण संडीला के मोहल्ला हरिजन सराय में देखने को मिला, जहां किन्नर समाज की गुरु रेखा गुरु ने निर्धन कन्या शाहिना पुत्री वसीम की शादी में आगे बढ़कर मदद करते हुए 11 हजार रुपये नकद, बेड, बक्शा, अलमारी, कुर्सी, 9 जोड़ी सूट और सिंगार दान सहित अन्य जरूरी

सामान उपहार स्वरूप प्रदान किया। रेखा गुरु की इस सराहनीय पहल की पूरे क्षेत्र में जमकर प्रशंसा हो रही है और लोग इसे मानवता की सच्ची मिसाल बता रहे हैं। यह सहयोग न केवल एक जरूरतमंद परिवार के लिए संबल बना, बल्कि समाज में आपसी सहयोग और भाईचारे का संदेश भी देता है। रेखा गुरु ने बताया कि वह अपने गुरु की प्रेरणा से इस तरह के नेक कार्य करती हैं और भविष्य में भी गरीब व जरूरतमंद बेटियों की शादियों में सहयोग करती रहेंगी, जिससे समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सके।

यूपीटेट परीक्षा शुल्क (फीस) में कटौती करने के संबंध में प्रार्थना पत्र

(एजेंसी)।

राजधानी लखनऊ /प्रयागराज

माननीय मुख्यमंत्री महोदय,

उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ।

विषयः UPTET परीक्षा शुल्क (Fees) में कटौती करने के संबंध में प्रार्थना पत्र।

महोदय,

सविनय निवेदन है कि मैं उत्तर प्रदेश का एक शिक्षित बेरोजगार युवा हूँ। इस पत्र के माध्यम से मैं आपका ध्यान #वढळएळ (उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा) के भारी-भरकम परीक्षा शुल्क की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ।

वर्तमान में परीक्षा शुल्क अधिक होने के कारण आर्थिक रूप से कमजोर और ग्रामीण क्षेत्रों के मेधावी छात्रों को आवेदन करने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कई बार योग्यता होने के बावजूद, कई अभ्यर्थी सिर्फ आर्थिक तंगी के कारण इस मुख्य परीक्षा से वंचित रह जाते हैं, जो उनके भविष्य के लिए एक बड़ी बाधा है।

अतः आपसे विनम्र निवेदन है किः

सामान्य और ओबीसी (डइउ) वर्ग के लिए फीस की राशि को पुनः निर्धारित कर कम किया जाए।

रउ, रळ और दिव्यांग वर्ग के लिए इसे न्यूनतम (ट्रल्ल्रे४) रखा जाए ताकि हर वर्ग का युवा इस परीक्षा में शामिल हो सके।

हमें पूर्ण विश्वास है कि आप छात्र-हित को ध्यान में रखते हुए इस पर उचित और सकारात्मक निर्णय लेंगे। आपकी इस कृपा के लिए प्रदेश के समस्त अभ्यर्थी आपके सदैव आभारी रहेंगे।

सधन्यवाद,

प्रार्थीः गगन यादव

पताः [कंचनवा करछना, प्रयागराज]

दिनांकः 30 मार्च, 2026

शिवानी मैरिज लॉन में नौ कुण्लीय गायत्री महायज्ञ हुआ सम्पन्न

(एजेंसी)।

बरखेड़ा पीलीभीत । नगर के शिवानी मैरिज लॉन,दौलतपुर रोड पर शांतिकुंज हरिद्वार (उत्तराखंड) के मार्गदर्शन एवं संरक्षण में आयोजित नौ कुण्डीय गायत्री महायज्ञ, श्रीमद् पावन प्रज्ञा पुराण कथा एवं नवदम्पत्ति युवा सम्मेलन का शुभारंभ अत्यंत भव्य एवं श्रद्धामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस आयोजन ने पूरे क्षेत्र में आध्यात्मिक चेतना की अलख जगा दी।

कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष श्याम बिहारी भक्त वल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विधि-विधान के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर पूजन-अर्चन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उनके आगमन पर आयोजकों एवं श्रद्धालुओं द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर भव्य कलश यात्रा निकाली गयी। कलश यात्रा के दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष द्वारा श्रद्धालुओं के लिए फल एवं जलपान की व्यवस्था की गयी। यह यात्रा पूरे

नगर में भ्रमण करती हुई शिवानी मैरिज लॉन पहुंची, जहां इसका समापन हुआ।

धर्म और संस्कार पर दिया संदेश

अपने संबोधन में श्री भोजवल जी ने कहा कि यज्ञ एवं कथा जैसे आयोजन भारतीय संस्कृति और सनातन परंपराओं को सुदृढ़ करते हैं। ऐसे आयोजन समाज में नैतिक मूल्यों, संस्कारों और आपसी भाईचारे को मजबूत बनाते हैं तथा युवा पीढ़ी को सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं।

इनकी संचालन में भी अहम भूमिका रही।

कार्यक्रम का आयोजन अखिल विश्व गायत्री परिवार प्रज्ञा संस्थान, शाखा बरखेड़ा द्वारा किया जा रहा है। इसके मुख्य संचालक के रूप में पंडित श्रीराम आचार्य, जगदीश शरण आचार्य, दीपानंद महाराज एवं जगदीश भोजवाल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भक्तिमय हुआ वातावरण

वैदिक मंत्रोच्चारण, हवन-पूजन एवं प्रज्ञा पुराण कथा के वाचन से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने यज्ञ में आहुति देकर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति एवं उन्नति की कामना की।

युवा सम्मेलन बना आकर्षण का केंद्र

कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित युवा सम्मेलन में युवाओं को संस्कार, नैतिकता एवं सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक किया गया, जिससे यह आयोजन विशेष रूप से प्रेरणादायक बन गया।

इस अवसर पर ठाकुर दास, दीपचंद मौर्या, विकास, सोनू भोजवाल, लालता प्रसाद, लाले भोजवाल, दीनदयाल (मास्टर साहब), विजयपाल गंगवार, कन्हाई लाल मौर्य, अनुराग गंगवार, दीनदयाल गंगवार, ओमपाल, देवीदयाल मौर्य, माखन लाल मौर्य, बृजेश, सतेंद्र कुमार सहित नगर एवं क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालु, महिलाएं एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बदायूं के बिनावर थाना क्षेत्र में शिकायत पर कार्रवाई न होने से नाराज थाना बिनावर पुलिस कर रही है अपनी मनमानी, पीड़ित ने एसएसपी से लगाई गुहार

भाकियू कार्यकर्ता थाने पहुंचे और पुलिस के खिलाफ रोष जताया। संगठन ने चेतावनी दी है कि कार्रवाई न होने पर आंदोलन तेज किया जाएगा।

बदायूं के बिनावर थाने में उस वक्त माहौल तनावपूर्ण हो गया, जब एक पीड़ित की फरियाद अनसुनी रहने का आरोप सामने आया और मामला अचानक तूल पकड़ गया। इंसाफ की आस में भटक रहे पप्पू सागर की शिकायत पर कार्रवाई न होने से नाराज भाकियू कार्यकर्ता थाने पहुंच गए और पुलिस के खिलाफ खुलकर आक्रोश जताया। हालात ऐसे बने कि पूरे इलाके में हलचल मच गई।

थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने कोई सुनवाई नहीं की। उनका कहना है कि

"थाना पुलिस आरोपियों को बचाने में जुटी हुई है।" इसी से परेशान होकर उन्होंने शनिवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, बदायूं को प्रार्थना पत्र सौंपकर निष्पक्ष जांच और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

मामले ने रविवार को नया मोड़ ले लिया जब भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के दर्जनों कार्यकर्ता पीड़ित के समर्थन में बिनावर थाने पहुंच गए। कार्यकर्ताओं ने पुलिस के रवैये पर नाराजगी जताते हुए तुरंत कार्रवाई की मांग की। थाने के बाहर काफी देर तक नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन चलता रहा, जिससे माहौल गरमा गया।

दूसरी तरफ, इस मामले को लेकर भाकियू नेताओ ने साफ कहा कि अगर जल्द ही मामले में कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि जरूरत पड़ी तो जिला मुख्यालय पर बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा। कार्यकर्ताओं ने पीड़ित को इंसाफ दिलाने तक संघर्ष जारी रखने की बात कही।

रामनवमी के पावन पर पर निकाली गयी राजगद्दी

(एजेंसी)।

बरखेड़ा पीलीभीत । रामनवमी मेले के समापन पर कमेटी द्वारा कस्बे में भव्य विशाल राजगद्दी निकाली गयी। जानकारी के अनुसार जनपद की नगर पंचायत बरखेड़ा में रामनवमी मेला कार्यक्रम के समापन के दौरान रविवार को मेला कमेटी द्वारा भव्य विशाल राजगद्दी निकल गयी जिसमें भगवान श्री राम सीता, राधा कृष्ण,कृष्ण सुदामा, बलराम, शंकर पार्वती, बजरंगबली हनुमान जी आदि की सुंदर-सुंदर झांकियां प्रस्तुत की गयी। राजगद्दी के पात्रों का पूजन-अर्चन कर लीला ग्राउंड मैदान से राजगद्दी का शुभारंभ किया गया और स्टेशन रोड होते हुए दौलतपुर तिराहे से गाजीपुर कुण्डा मार्ग से पुनः वापस थाने होते हुए गोपी कॉलोनी पहुंची वापसी में लीला ग्राउंड में पहुंचकर सभी पात्रों को मिठाई प्रसाद खिलाने हुए कमेटी ने इनाम देकर पत्रों को विदा किया मेल अध्यक्ष कैलाश मौर्य ने बताया कि यह मेल रामनवमी 125 वर्ष पुराना मेला है जिसको हमारे पूर्वज करते चले आए हैं इस मेले में काफी दूर-दूर से चौपाइयां आती है जिन्हें मेला कमेटी द्वारा प्रथम द्वितीय तृतीय पुरस्कार देकर सम्मानित करती है। इस वर्ष भी चौपाई वालों को इनाम देकर सम्मानित किया गया व तीन दिवसीय मेला शांतिपूर्वक संपन्न हुआ जिसमें मेला कमेटी के संरक्षक ध्रुव कुमार पांडे, भीमसेन भारती, मास्टर खेमकरन लाल, मनोज रस्तोगी, अमर जीत सिंह यादव, अभिषेक गोस्वामी, दीनदयाल, बाबूराम, लक्ष्मीकांत भोजवाल, सहित सदस्य व पदाधिकारी मौजूद रहे सदस्य पदाधिकारी के अलावा पुलिस की अहम भूमिका रही।

पुलिस पर हमला कर अभियुक्त को छुड़ाने का प्रयास, मामला दर्ज

(एजेंसी)।

राजधानी लखनऊ /प्रयागराज

नैनी। अभियुक्त को मेडिकल कराने ले जा रहे पुलिस पर अभियुक्त के परिजनों ने थाना परिसर के बाहर पुलिस बल पर हमला कर अभियुक्त को छुड़ाने का प्रयास किया गया। हंगामे के दौरान पुलिस कर्मियों की वर्दी तक फट गई। पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए अभियुक्त को मौके से भाग ने के प्रयास को असफल कर दिया गया और उसे पुनः दबोच लिया गया। पुलिस ने अभियुक्त की पत्नी वह दो अज्ञात लोगों के खिलाफ संगीत धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

27 मार्च को दर्ज एक मामले में दिलीप कुमार सिंह पुत्र स्वर्गीय रमेश सिंह निवासी ग्राम सरुई,थाना जनेह,तहसील तेवात्थर जनपद रीवा हाल पता शक्ति नगर कॉलोनी चाका गंगोत्री नगर को पुलिस ने हिरासत में ले लिया था। शनिवार की सुबह पुलिस की एक टीम उसे चिकित्सीय परीक्षण के लिए चाका सीएससी जा रही थी। तभी थाना परिसर के बाहर ही अभियुक्त की पत्नी रीना सिंह व दो अन्य लोगों ने पुलिस बल को रोक लिया और गाली गलौज देते हुए मारपीट शुरू कर दी। पुलिस वालों ने पहले तो उन्हें समझाया लेकिन हमलावर नहीं माने इसी बीच मौके का फायदा उठाकर अभियुक्त ने भागने का प्रयास किया। जिसे दौड़कर पुलिस ने फिर से दबोच लिया बताया जाता है कि मारपीट में उप निरीक्षक अंकित शर्मा की वर्दी पर लगी नेम प्लेट को तोड़ दिया। वहीं एक अन्य सिपाही की वर्दी भी फाड़ दी। पुलिस ने अभियुक्त की पत्नी रीना सिंह वह दो अन्य लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। इस संदर्भ में जब एसीपी करछना से बात करने का प्रयास किया गया तो उनका फोन नहीं उठा।

केंद्र ने महिलाओं-बालिकाओं को सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

(एजेंसी)।

पीलीभीत, मिशन शक्ति फेज-5.0 (द्वितीय चरण) के अंतर्गत जिले के समस्त थानों पर नियुक्त महिला शक्ति केंद्र की टीमों ने महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के प्रति जागरूक करने का अभियान चलाया। इस विशेष जागरूकता कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं और बालिकाओं को यातायात नियमों का पालन करने के

महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही, उन्हें सुरक्षित एवं जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया गया।कार्यक्रम के दौरान पुलिस टीम ने महिलाओं को उनकी सुरक्षा एवं अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए विभिन्न महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी साझा की। इनमें वूमेन पावर लाइन-1090, महिला हेल्पलाइन-181, पुलिस आपातकालीन सेवा-112, स्वास्थ्य सेवा-102/108, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076, चाइल्ड लाइन-1098 एवं साइबर क्राइम हेल्पलाइन-1930 प्रमुख रूप से शामिल हैं। पुलिस टीम ने सभी को किसी भी आपात स्थिति में तत्काल इन हेल्पलाइन नंबरों का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया।इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को सशक्त बनाना तथा उन्हें संभावित खतरों से बचाने के उपायों से अवगत कराना है। जिले में मिशन शक्ति के तहत चलाए जा रहे इन प्रयासों से महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ रहा है तथा अपराधों के प्रति सतर्कता आ रही है। पुलिस प्रशासन ने सभी थानों पर ऐसी जागरूकता गतिविधियों को निरंतर जारी रखने के निर्देश दिए हैं।